राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–65/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

विविधता की स्वीकार्यता और सम्मान हमारी एकता का आधार है –राज्यपाल

पटना, 20 जून, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने रविन्द्र भवन, पटना में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत पश्चिम बंगाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया तथा पश्चिम बंगाल के निवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी एवं राज्य के प्रगति और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि वे पश्चिम बंगाल और भारत के वरद पुत्र थे। स्वामी जी ने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान प्राप्त करना है और ज्ञान प्राप्ति का उद्देश्य अपने भीतर ऐसी क्षमता पैदा करना है जिससे हम सामने से नजर आनेवाली विविधताओं के बीच छिपी हुई एकता को पहचान सकें।

उन्होंने कहा कि वेश–भूषा, भाषा, रीति–रिवाज, उपासना पद्धतियाँ आदि अलग–अलग होने के बावजूद हमसब एक हैं। हम सबके भीतर आत्मा के रूप में परमात्मा निवास करता है और हमसब एक–दूसरे से बँधे हुए हैं। इस कारण हम विविधता से कभी असहज नहीं हुए, बल्कि हमने इसे स्वीकार किया है। विविधता की स्वीकार्यता और सम्मान ही हमारी एकता का कारण है क्योंकि बुनियादी तौर पर भारतीय संस्कृति का आधार एकात्मता है और यह आत्मा से परिभाषित होती है। स्वामी विवेकानंद के मित्र डॉ० बी०के० सान्याल ने कहा था कि भारत नित्य नूतन और चिर पुरातन है।

राज्यपाल ने कहा कि दुनिया की समकालीन संस्कृतियों के आज अवशेष मात्र बचे हैं, परन्तु विश्व में भारत की संस्कृति एकमात्र संस्कृति है जहाँ हजारो वर्षों से चले आ रहे मूल्य और आदर्श आज भी प्रासंगिक और सार्थक हैं।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल की संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम को पटना उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री बिबेक चौधरी, बिहारी बंगाली एशोसियेशन के अध्यक्ष कैप्टन (डॉ०) दिलीप कुमार सिन्हा एवं महासचिव श्री विद्युत पाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, महावीर कैंसर संस्थान, पटना के निदेशक डॉ० विश्वजीत सान्याल, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति, बिहारी बंगाली एशोसियेशन के पदाधिकारीगण, बिहार में रहकर पढ़ाई करनेवाले पश्चिम बंगाल के छात्र–छात्राएँ, बिहार में रह रहे पश्चिम बंगाल के महानुभावगण एवं उनके परिजन, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण व कर्मीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....